

हे कि ट्रांसमिशन का जो लोस है गोरखपुर में वह करीब तीन सी किलोमीटर दूर है। उनको बजह से वहाँ कठिनाई रहती है। रिपीट के मुताबिक उस में एक्सपेंशन और उनकी स्ट्रीम को सुधारने का जरूरत है और उनके लिए 12.5 मेगावाट के दो यूनिट लगाने की वहाँ पर कार्रवाई की जा रही है। इनकी बजह से टोटल स्ट्रीम पावर की एवैलिबिलिटी 51 मेगावाट हो जाएगी और उसके बाद पावर की तकलीफ नही होगी। इसीलिए राज्य सरकार से सलाह ली गई थी और वह राजी हो गई है और वहाँ पर कैंटिव पावर प्लांट लगाने की योजना को हम आगे बढ़ा रहे हैं।

MR. SPEAKER: The question list is over. We can go over the question list again and take up those questions which were not answered in the first round. Q. No. 276—Shri Banerjee

Wagon Industry

*276. SHRI S. M. BANERJEE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether wagons industry is to work below its rated capacity in the near future; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) and (b). Although the ten active units in the industry have a total installed annual capacity of about 24,000 wagons (in terms of four wheeler units), the actual production during the recent past has been only about 10,000 per year, as some of the units are sick units and some others are not working to their installed capacity.

Although due to financial constraints, the production in some of the active units had to be regulated this year (1975-76), the industry is expect-

ed to maintain the normal production of about 10,800 wagons.

SHRI S. M. BANERJEE: I would like to know what has happened to our export orders which were given to us by Yugoslavia and other socialist countries and whether those orders have been fulfilled or not. If not, what is the reason for that?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: I do not have the information available with me. I think the question pertains to the Ministry of Commerce.

SHRI S. M. BANERJEE: But, they do not produce. You produce.

MR. SPEAKER: Well, he does not have the information.

SHRI S. M. BANERJEE: I would like to know the number of workers who have been declared surplus because of low or lesser production and what steps have been taken by Government to give them alternative jobs.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: I am sorry to point out that we are not producing wagons. They are produced in the private sector and the public sector. The question should be addressed to Ministry of Industry under whom the Wagon Authority of India is functioning.

SHRI NAWAL KISHORE SINHA: Sir, the Government took over the two wagon manufacturing factories in Bihar, namely, Arthur Butler and Britannia Engineering.

May I know whether is it a fact that those two factories are not working to full capacity because orders are not to the required extent and also because the price fixed by the Railway Board for wagons to be supplied to them falls short of the price offered to private manufacturers?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The production in these two units is

much below the installed capacity. No price has been fixed by the railways for the purchases in 1976-77.

श्री श्रीकार लाल बेरवा : मैं यह जानना चाहता हूँ कि हमने कितने डिब्बे पब्लिक सैक्टर में और कितने डिब्बे प्राइवेट सैक्टर में बनाने का काम शुरू किया है।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : मेरे पास यह आंकड़े हैं जैसे मेसर्स आर्थर बटलर की इन्स्टाल्ड कैपेसिटी 1000 है लेकिन इस वक्त लोड 450 है। इसी तरह मेसर्स ब्रज एंड कंपनी की इन्स्टाल्ड कैपेसिटी 1585 है और इस वक्त लोड 806 है। इस तरह मेरे पास आंकड़े मेरे पास हैं, बहुत लम्बे हैं, मैं इन्हे टेबल पर रखना चाहता हूँ।

श्री श्रीकार लाल बेरवा : मेरा प्रश्न पब्लिक सैक्टर और प्राइवेट सैक्टर में अलग अलग कितने बनते हैं, यह है।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : उनका भी अलग-अलग ब्रेक-अप है।

I will place on the Table of the House.

श्री श्रीकार लाल बेरवा अध्यक्ष महोदय, ये जवाब नहीं देते हैं तो प्रश्नों का महत्व नहीं रह जाता है, स्पनीमेंटरी प्रश्न करना बेकार है।

अध्यक्ष महोदय : वह टेबल पर रख देगे

SHRI INDRAJIT GUPTA: May I know what are the pending orders of the Railway Board for wagons for the current year and for the rest of the Five Year Plan period pending with the wagon manufacturers in West Bengal, namely, Braithwaits, Burn & Co., Indian Standard Wagons, Texmaco and Jessops?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The total backlog with the West Ben-

gal units as on 1-4-1975 was of the order of 14,000 units and fresh orders to the tune of 9,000 wagons would be placed on them during this year. That would make the total as 23,000 wagons. According to their present production capacity it means three years workload.

श्री डी० एन तिवारी क्या मंत्री महोदय ऐसा स्टेटमेंट टेबल पर रखेंगे जिसमें मेरे देश में पब्लिक सैक्टर और प्राइवेट सैक्टर में कितनी रेटेड कैपेसिटी है, कितनी प्रोडक्शन है, और कितना आर्डर प्लेस किया है, यह पता लग सके ?

क्या सरकार ने कोई ऐसा तरीका निकाला है कि रेटेड कैपेसिटी का पूरी तरह यूटिलाइजेशन किया जा सके ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : मुझे कोई एतराज नहीं है, मैं टेबल पर रख सकता हूँ।

श्री श्रीकिशन मोदी : पीछे श्री कुरेशी ने यह बताया था कि माल डिब्बों की हमें बहुत जरूरत है और इसकी रिक्वायरमेंट दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या उनका लक्ष्य पूरा हो गया ? क्या अभी भी वैगन्स की डिमांड है, अगर है तो कितनी है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : अगले 5 साला मसूबे के लिये हमारी जरूरत एक लाख वैगन्स की होगी, जिसका मतलब यह है कि 20 हजार वैगन्स हमें हर साल चाहियें। लेकिन प्रोडक्शन कैपेसिटी और फंडिंग कॉन्स्ट्रिक्ट हैं। क्योंकि फंडिंग एवनेवल नहीं हैं इसलिये इस साल की डिमांड 10,000 की होगी।

श्री रामकंवार : हमारी कमेटी बनारस में डीजल इंजन बनाने के कारखाने को देखने गई थी। वहां पर मैनेजर वगैरह ने बताया कि उनकी मांग बहुत कम हो गई है जिसकी

बजह से वहाँ सारे मजदूर बेकार हो जायेंगे। इस वक़्त वहाँ पर काम करने की क्षमता बहुत थोड़ी है। मैं जानना चाहता हूँ कि मंत्री महोदय इस बारे में क्या ठोस कदम उठाने जा रहे हैं जिससे मजदूर बेकार न होने पायें।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : सवाल तो बैगन्स का है लेकिन मामनीय सदस्य ने लोकोमोटिव के मुताबिक पूछा है। डीजल लोको वर्क्स, वाराणसी ने हाल ही में तंजानिया को कुछ इजन एक्सपोर्ट किये हैं। हमें उम्मीद है कि वहाँ जो इजन बनते हैं, उनके लिये फारेन मार्केट में कोई न कोई जगह जरूर मिल जायेगी।

SHRI RANABAHADUR SINGH: We are told that somewhere in Punjab a special type of goods wagons which have sliding roof are being manufactured which facilitates loading and unloading of heavy machinery. Are such wagons going to be released to all Indian railways instead of exporting them? If so, when?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: We have no information as to which unit in Punjab is manufacturing such special type of wagons. I will make enquiries and let you know.

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : एक तरफ तो मंत्री महोदय ने बताया कि देश में जितनी डिब्बों की जरूरत है, उस को पूरा नहीं कर पायेंगे और दूसरी तरफ बताया कि डिब्बे बनाने वाली जो इंडस्ट्रीज़ और फैक्टरीज़ हैं वह अपनी कैपैसिटी से बहुत कम बना रही हैं। इस स्थिति में सुधार करने के लिये क्या सरकार कोई कदम उठायेगी।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जैसा कि मैंने कहा कि इंडस्ट्रीज़ अपनी कैपैसिटी का पूरा इस्तेमाल नहीं कर रही हैं। उन्होंने 24 हजार की इंडस्ट्री इंस्टॉलड कैपैसिटी

के मुकाबले में 10 हजार बैगन्स प्रोड्यूस किये हैं। उसके लिये खुद इंडस्ट्रीज़ को बेहतत करनी पड़ेगी ताकि वे बाहर के मार्केट में स्टैंड कर सकें और वहाँ अपना माल बेच सकें। हम कोशिश करते हैं कि इंडस्ट्रीज़ को कायम रखा जाये, उसमें रिट्टैन्मेंट कम-से-कम हो।

Gang of Defrauders earning Refund Money on used Tickets, uncovered at Dadar Station

*280. SHRI HARI SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether in the first week of January, 1976 the Railway Police at Dadar Station on Central Railway have uncovered a gang of defrauders who have been earning refund money on used tickets; and

(b) if so, on which stations of Central Railway the above gang was operating?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) No such case was detected in the first week of January, 1976. However, on 23-12-75, one person who tried to obtain refund on three used 2nd Class Mail/Express tickets ex-Dadar to Pune was apprehended and made over to the Government Railway Police. An associate of his, who accompanied him to Dadar Station was also made over to the Police authorities. Subsequently, on 10-1-1976, one Booking Clerk of Dadar was arrested by the Police for his suspected complicity. The G.R.P. have registered a case under sections 420, 468, 34 and 511 of the IPC and investigations are still in progress.

(b) Apparently, the gang was operating at Dadar and Pune but the exact